



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं
(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)



केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांक: 22 फरवरी 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,

जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

| मौसमी तत्व / दिनांक | 23/02/19 | 24/02/19 | 25/02/19 | 26/02/19 | 27/02/19 |
|-----------------------------------|------------------------------|----------|------------------------------|----------|-----------------------------|
| वर्षा (मि.मी.) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस) | 26 | 27 | 27 | 25 | 23 |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस) | 13 | 13 | 12 | 14 | 12 |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा) | 2 | 2 | 0 | 5 | 2 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 80 | 75 | 72 | 75 | 70 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 22 | 22 | 24 | 26 | 25 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 10 | 8 | 10 | 12 | 8 |
| हवा की दिशा | पश्चिम- दक्षिण- पश्चिम | पश्चिम | दक्षिण- दक्षिण- पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम- उत्तर- पश्चिम |

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:

| फसल | अवस्था | सलाह |
|---------------------------|--------------|--|
| गेहूं व जौ | | गेहूं व जौ की फसल में दीमक के प्रकोप के लक्षण दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी 4 लीटर प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें। |
| सरसों | दाना पकने की | सरसों की फसल में दाना पकने की अवस्था पर सिंचाई करें। मोयला कीट के नियंत्रण हेतु मैलाथियान 50 ईसी. की सवा लीटर मात्रा का प्रति हैक्टेयर में छिड़काव करें। |
| लहसुन एवं प्याज | | लहसुन एवं प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट (पर्ण जीवी कीट) के प्रकोप की सम्भावना है। इस कीट के नियंत्रण हेतु मिथाइल डिमेटोन 25 ई.सी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। |
| कुष्माण्ड कुल की सब्जियां | बुवाई | कुष्माण्ड कुल की ग्रीष्मकालीन सब्जियों के लिए निम्न किस्मों की बुवाई करें। लोकी- पूसा समर, पूसा नवीन, पूसा मेघदूत। तोरई- पूसा नसदार, पूसा चिकनी, अरका सुजात। टिन्डा- बीकानेरी ग्रीन, अरका टिन्डा, टिन्डा लुधियाना। |
| पशु | | पशुओं को थनैला रोग के प्रकोप से बचाएं। दूध में खून आना, थन पर सूजन आना आदि लक्षण दिखाई देने पर पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें। |

(नौडल ऑफीसर)